जापान की जनसँख्या (POPULATION OF JAPAN)

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

जापान विश्व का एक प्रमुख औद्योगिक और कृषि प्रधान देश रहा है। यह विश्व की सघन आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। भूमि के अभाव और जनसंख्या के अत्यधिक दबाव के कारण जापान में वनों को काट दिया गया है। दलदल और कृषि के अयोग्य भूमि को कृषि योग्य बनाया गया है। ज्वालामुखी के आसपास के क्षेत्रों मैं भी कृषि की जा रही है। युद्ध काल में भी यहां जनसंख्या बढ़ती रही है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण

जापान में जनसंख्या की वृद्धि 1880 से प्रारंभ हुई और तब से यह निरंतर बढ़ते ही जा रही है जिसके निम्नलिखित कारण हैं:

1. मानसून जलवायु
2. समुद्र तटीय स्थिति
3. प्रमुख भोजन: मछली चावल, इसके कारण यहां जन्म दर अधिक है
4. गर्म जलवायु
5. औद्योगिक राष्ट्र का होना, जिसके लिए मजदूरों की आवश्यकता होती है
6. जनसंख्या वृद्धि में 1941 में सरकारी योजना सैनिकों और श्रमिकों की पूर्ति के लिए जनसंख्या वृद्धि आवश्यक

देखा जाए तो जापान में प्राकृतिक और मानवीय दोनों कारकों ने जनसंख्या वृद्धि में योगदान दिया है। 1941 तक जापान एक बड़ा साम्राज्य स्थापित कर चुका था जिसके लिए सैनिक, शासक, मजदूर इत्यादि आवश्यक थे जिसकी पूर्ति के लिए जापान सरकार ने 1941 में योजना बनाएं। इस योजना के अनुसार जनसंख्या में वृद्धि करना था और अपने आसपास के देशों से जनसंख्या वृद्धि की दर को बढ़ाना था। इसके लिए हर संभव प्रयास किए गए जैसे

- बड़े परिवारों को पुरस्कार
- विवाह के इच्छुक व्यक्तियों को धन दिया गया

- अविवाहित ऊपर कर की वृद्धि की गई

इसका परिणाम यह हुआ कि जापान में जनसंख्या निरंतर बढ़ती गई परंतु इस वृद्धि के दुष्परिणाम भी दृष्टिगोचर हुए । 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध में पराजय के बाद यह जनसंख्या एक समस्या बन गई ।

जनसंख्या का घनत्व

जापान में प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व एशिया के कई अन्य देशों से काफी अधिक है । बांग्लादेश तथा जावा को छोड़कर यह सबसे अधिक है । होंशु द्वीप के दक्षिण पूर्वी तटीय प्रदेशों में लगभग 5000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तक है । जापान की औसत जनसंख्या घनत्व 334 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है ।

जापान में बढ़ती हुई जनसंख्या को रोकने के लिए कई उपाय किए गए जैसे:
सरकार ने गर्भपात को कानूनी कानूनी रूप दे दिया और ऐसा करने वाला विश्व का पहला और एकमात्र देश बन गया । जापान में प्रतिवर्ष 1200000 कानूनी गर्भपात किए जाने लगे ।

जनसंख्या की समस्या को हल करने के उपाय

जापान में जनसंख्या वृद्धि को कम करने के लिए हर संभव उपाय किए गए तथा दो पहलुओं पर विचार किया गया - या तो जनसंख्या वृद्धि को कम कर दी जाए अथवा जीवन निर्वाह के साधनों के उत्पादन में वृद्धि कर दी जाए । लेकिन यह दोनों उपाय कुछ हद तक ही जनसंख्या वृद्धि को कम कर सकते हैं । इसलिए जापान सरकार को निम्नलिखित उपाय करने पड़े:

नकारात्मक उपाय

- संतान उत्पत्ति पर प्रतिबंध
- जनसंख्या का दूसरे देशों में प्रवास

धनात्मक उपाय

- कृषि भूमि में विस्तार
- गहन कृषि
- औद्योगिक विकास
- प्राकृतिक संसाधनों का अधिक प्रयोग
- खाद्य सामग्री का आयात

उपर्युक्त जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का परिणाम यह हुआ कि जापान में 2014 **के बाद जनसंख्या में कमी शुरू हो गई है । एक अनुमान के अनुसार जनसंख्या निम्नानुसार क्म हो सकती है:**

2014 - 127 मिलियन
2040 - 107 मिलियन - 16% की कमी
2050 - 97 मिलियन - 24% की कमी

जापान की जनसंख्या में कमी का एक रोचक तथ्य यह है कि यहां की अधिकांश आबादी अब बूढी हो गई है । इस तरह जापान *अति वृद्ध समाज (Super Aging Society)* में बदल गया है । 2014 **में निम्नलिखित रुप से वृद्ध जनों की आबादी जापान में थी:**

33% जनसँख्या - 60 वर्षऊपर
25.9% जनसँख्या - 65 वर्ष से ऊपर
12.5% जनसँख्या - 75 वर्ष से ऊपर

जापान में जनसंख्या में आई कमी के निम्नलिखित कारण है:

1. **उच्च जीवन प्रत्याशा: जापान में विश्व की दूसरी सबसे लंबी जीवन प्रत्याशा 83.5 वर्ष है ।**
2. **कम जन्म दर: जहां जापान में** 1974 **में** 2.1 **जन्मदर था वहीं** 2005 **में घटकर** 1.26 **हो गया है ।**
3. **अर्थव्यवस्था और संस्कृति: जापान में अर्थव्यवस्था और संस्कृति के निम्नलिखित कारकों ने जनसंख्या में कमी लाया है जैसे**
    - I. **कैरियर की चिंता: यहां पर महिला तथा पुरुषों में अपने कैरियर के प्रति जबरदस्त चिंता देखने को मिलती है जिस कारण वह लंबे समय तक विवाह नहीं करते**
    - II. **प्रवास: यहां अधिकांश युवाओं की सोच यही है कि अमेरिका और यूरोप में जाकर करें कारोबार करें**
    - III. **बाद में और ना के बराबर** (**Later and Fewer)** **विवाह**
    - **IV.** **उच्च साक्षरता शिक्षा दर**
    - **V.** **नगरीकरण**
    - **VI.** **न्यूक्लियर फैमिली**
    - **VII.** **बेरोजगारी और पार्ट टाइम जॉब**
    - **VIII.** **काम की अति व्यस्तता और थकान (**Fatigue and Over Worked)
    - **IX.** **उच्च वर्जिनिटी दर**

X. **Herbivore Men**: **जापान में** 20 **की उम्र में** 61% **युवा सिंगल थे तथा** 30 **की उम्र में** 70% **पुरुष सिंगल थे ।**

XI.

अब इस घटती हुई जनसंख्या को बढ़ाने के लिए सरकार ने फिर से प्रयास शुरू कर दिए हैं और बच्चों के जन्म पर 1.85 **लाख रु प्रोत्साहन राशि सरकार देती है और कई तरह की योजनाएं चला रही है जिससे जापान की जनसंख्या बढ़ सके ।**

जापान की जनसंख्या के बारे में कुछ तथ्य

- 2015 **जनगणना** 12,70,94,745
- 2019 **संभावित** 12,61,50,000
- **जनसँख्या घनत्व: 334 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर**
- **जापान का सबसे बड़ा द्वीप होन्शु विश्व का दूसरा सबसे घनी आबादी वाला द्वीप है जहां जापान की** 80% **आबादी निवास करती है ।**
- **ग्रेटर टोक्यो विश्व का सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन एरिया है जिसकी आबादी है** 3.81 **करोड़ ।**
- **जापान में जीवन प्रत्याशा** 83.5 **वर्ष है विश्व में दूसरे स्थान पर है ।**
- **जापान के पांच बड़े शहर जनसंख्या की दृष्टि से**

टोक्यो	8945695
याकोहामा	3688713
ओसाका	**2665314**
नागोया	2263894
सपोरो	1913545
कोबे	1544200

P.C.https://commons.wikimedia.org/wiki/File:Japan_Population_density_map_de.svg

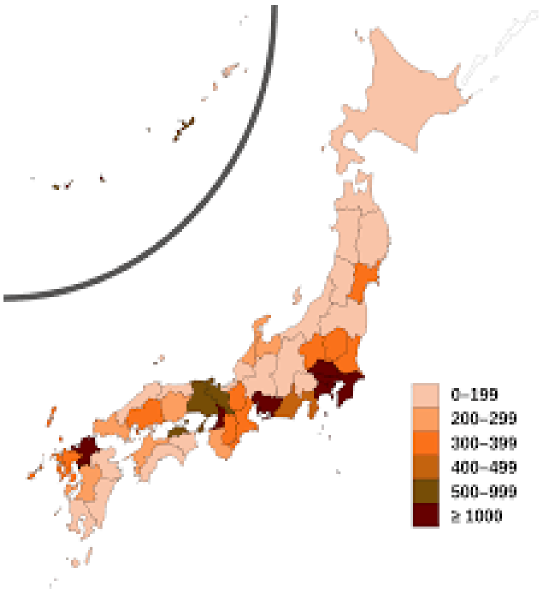

इस प्रकार जापान एक घनी आबादी वाला देश है परंतु यहां जनसंख्या में कमी देखने को आ रही है जिसे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत है । **

- **सन्दर्भ: एशिया का भूगोल (एस बी पि डी : चतुर्भुज ममोरिया), इन्टरनेट** *****************